Title: Need to supply the gas adequately to the industries running in Firozabad, Uttar Pradesh.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोज़ाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, ताजमहल को प्रदूषण से बचाने के लिए ताज ट्रैपीजियम जोन बनी। फिरोजाबाद और आगरा में कोयले से जो भट्टियां चलती थीं, उन्हें बंद कर दिया गया। उनके विकल्प के तौर पर १९९६ में सुप्रीम कोर्ट ने गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया को यह आदेश दिया कि कोयले के स्थान पर इन भट्टियों को गैस से चलाया जायेगा। वहां सैकड़ों की संख्या में भट्टियां थीं। सिर्फ ३०-३२ भट्टियों को ही गैस की आपूर्ति वहां हो सकी है, शेष भट्टियों को गैस की आपूर्ति नहीं हुई है और उसका परिणाम यह हुआ है कि फिरोजाबाद, जो कांच के उद्योग के लिए दुनिया भर में मशहूर है, उसकी तमाम इकाईयां बंद पड़ी हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, हजारों मजदूर बेकार हैं और वहां स्थिति अत्यधिक भयावह हो रही है जहां एक ओर मजदूर बेकार बैठे हैं वहां दूसरी ओर १५-२० लाख रुपए प्रति माह की राजस्व की हानि सरकार को हो रही है। जो टैकनीकल एक्सपर्टस हैं, वे इस काम को विभिन्न प्रकार से उलझाने का काम कर रहे हैं उनमें से एक कारण वे यह बताते हैं कि रेलवे लाइन के नीचे से गैस की लाइन नहीं जा सकती, जबकि वास्तविकता यह है कि बाम्बे हाई से फिरोजाबाद तक १५-२० स्थानों पर गैस लाइन रेलवे लाइन के नीचे से ही निकाली गई है, लेकिन फिरोजाबाद में ऐसा करने में अड़ंगा लगाया जा रहा है। महोदय, यह अत्यधिक गंभीर मामला है। यदि गैस की सप्लाई नहीं दी गई, तो फिरोजाबाद चौपट हो जाएगा। वहां के लोगों की रोजी-रोटी कमाने का एकमात्र साधन कांच का उद्योग है।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : रामजी लाल सुमन जी, आप सरकार से क्या चाहते हैं, वह बताईए?

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, वहां के लोगों ने गैस अथॉरिटी आफ इंडिया और सरकार से मिलकर गुहार की है कि उनके साथ इंसाफ हो। मैं चाहता हूं कि फिरोजाबाद में गैस पाइप लाइन से गैस सप्लाई की जाए ताकि वहां का उद्योग नष्ट होने से बच सके और गैस आपूर्ति का काम सरकार प्राथमिकता पर करे ताकि उद्योगों को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

श्री जे.एस. बरार : उपाध्यक्ष महोदय, पहले तो मैं आपकी बात से बिलकुल मुत्तफिक हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : अगर आप बीच में इंटरप्ट करेंगे, तो लिस्ट में आपका नाम होने पर भी मैं आपको बोलने की इजाजत नहीं दूंगा।